भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2088
उत्तर दिनांक 07/08/2025 को दिया गया

वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र की भूमिका

2088. श्री मिलिंद मुरली देवरा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र (जीसीएनईपी) की भूमिका क्या है;
- (ख) क्या जीसीएनईपी में कोई अंतर्राष्ट्रीय सहयोग या प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं; और
- (ग) उक्त केंद्र में वर्तमान में कौन-कौन सी परियोजनाएं और अनुसंधान गतिविधियां चलाई जा रही हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) वैश्विक नाभिकीय ऊर्जा साझेदारी केंद्र (जीसीएनईपी) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीईई) के अधीन स्थापित छठी अनुसंधान एवं विकास इकाई है। यह केंद्र अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए) सहित अन्य देशों और एजेंसियों के साथ क्षमता निर्माण और सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- (ख) व (ग) केंद्र के प्रमुख कार्यक्षेत्रों में से एक, भागीदार देशों/एजेंसियों के साथ सक्रिय सहभागिता है, जिसके अंतर्गत निरंतर कार्यक्रमों/बैठकों के माध्यम से मानव संसाधन विकास पर बल दिया जाता है जिसका व्यापक उद्देश्य सुरक्षित, संरक्षित और सतत नाभिकीय ऊर्जा को बढ़ावा देना है। वर्तमान में, जीसीएनईपी ने आईईए सहित 17 अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों/देशों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं। इन व्यवस्थाओं के तहत, जीसीएनईपी वर्ष 2017 से परिसर के अंदर कई अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अब तक राष्ट्रीय कार्यक्रमों सहित 100 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

*****